

विचार बिन्दु

मन की एकाग्रता मनुष्य की विजय शक्ति है। यह मनुष्य जीवन की समस्त शक्तियों को समेट कर मानसिक क्रांति उत्पन्न करती है। -अज्ञात

माइनिंग सेक्टर में परचम फहराता राजस्थान

राजस्थान खनिजों की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है। राज्य में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से राज्य में 57 खनिजों का व्यवसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार ने एक बात साफ समझी है कि बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाने का सबसे कारगर तरीका खनिज क्षेत्रों के ब्लॉक या प्लॉट तैयार कर इन्हें पारदर्शी से तरीके से ई पोर्टल के माध्यम से नीलाम किया जाए। इससे अवैध खनन का एक कारण पर तो रोक लग ही सकती है। क्योंकि खानधारक अपने क्षेत्र में तो दूसरे को अवैध खनन गतिविधि नहीं चलाने देगा। माइनिंग सेक्टर में परचम फहराने के राजस्थान ने योजनावद्ध प्रयास किये हैं। एक और एक्सप्लोरेशन गतिविधियों को गति दी गई है तो मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन को प्राथमिकता दी गई तो दूसरी और खनन क्षेत्र में सरलीकरण, पारदर्शिता और निवेश, रोजगार व रेवेन्यू की राह प्रशस्त की गई।

माइनिंग सेक्टर के महत्व को रूस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालात दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मोनोपोली से सभी देश गले तक भर आये हैं वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा के भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूँढ़ने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माईंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारण प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। केवल एक साल की समयावधि में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कार्रवाई अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमैप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचाएँ। सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 33 ब्लॉक कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल

नीलामी कर नया इतिहास रच दिया गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी, 25 को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल माईंस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माईंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। जिस तरह के आंकड़ें भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा।

देश दुनिया में माइनिंग सेक्टर की जो इमेज रही है उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय को जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एबीएसवी समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेफ्ट नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। 2017 में केन्द्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स की खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंद बांट पर रोक लग सकी। केन्द्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मोनेटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देश के खनिज क्षेत्र का अगुाी कदम माना जा सकता है। इससे बहुत हद तक बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन को रोका जा सकता है। वैध खननधारक पर भी अवैध खनन गतिविधियों के लिए अब राज्य सरकार ड्रोन से एमएसमेंट अनिवार्य करने जा रही है। इसी तरह के अन्य सुधारात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। ऐसे में राजस्थान ही नहीं देश के खनिज प्रधान अन्य राज्यों की सरकारों को भी एप्रिसिव कदम उठाने होंगे ताकि देश की खनिज संपदा के अवैध खनन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही वैध खनन और सरस्टेनेबल माइनिंग पर जोर देकर खनिज संपदा का बेहतर दोहन हो सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 8 फरवरी, 2025

माघ मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2081, मृगशिरा नक्षत्र सायं 6:07 तक, वैधुति योग दिन 2:04 तक, जिज्ञा करण प्रातः 8:51 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 6:21 से मिथुन राशि में संचार करेगा।
ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।
आज रवियोग सायं 6:07 तक है। भद्रा प्रातः 8:51 से रात्रि 8:16 तक रहेगी। आज जया एकादशी व्रत, भौमी एकादशी, वैधुति पुण्य है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:34 से 9:57 तक, चर 12:41 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 4:47 तक।
राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 6:10

मेघ	सिंह	धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।	आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित खोत से धन प्राप्ति होगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।	परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।
वृष	कन्या	मकर
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य चलेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।	व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।	व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।
मिथुन	तुला	कुम्भ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।	व्यावसायिक पेशानियों दूर होने लगेगी। व्यवसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।	व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
कर्क	वृश्चिक	मीन
व्यक्तिगत पेशानियों दूर होने लगेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। अनपल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	चन्द्रमा शुभ भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यस्तता सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बने कार्यों बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक वाता सफल रहेगी।	घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वाता के लिए दिन अच्छा रहेगा।



राजेन्द्र मोहन शर्मा

कबीर कहते हैं कि--
“बोली ठोली मसखरी, हंसी खेल हरायाम।

मद माया और नाचन गावन, संतो के नहीं काम।”

अर्थात् भले आदमी वही है जो सिर्फ अच्छी चर्चा करे। यह लोक हंसने खेलना का नहीं, यहाँ तो रोज ही माँह होती है। जब अपने सतरुह की चात बनेगी तो यह सब नाचना गाना हंसी सब बाद हो जाएगी।

कबीर ने कितना सटीक लिखा कि अनुचित बोली, मसखरी करना और अनुचित हंसी भले लोगों की पहचान नहीं है। अमेरिका के 39 वें राष्ट्रपति रहे जिमी कार्टर को निधन चौबे वर्ष में पिछले महिने हुआ था। उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा जिनकी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर सोशल मीडिया में खूब वायरल हुई। जैसे ही यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई दुनिया भर में लोगों ने खूब ट्रोल् किया, दरअसल किसी गमी में, शोक सभा में या किसी दुखद घटना में शामिल व्यक्तियों से यह सामान्य अपेक्षा है कि वे उस समय हंसे-मुस्कुराए नहीं जब माहौल असाधारण हो। यह केवल अमेरिका का उदाहरण नहीं है, दुनियाभर से राज्या ऐसी ही तस्वीरें और रील्स वायरल होती रहती हैं। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के शहर में एक स्त्री का भाई मर गया, उसकी पत्नी पास बैठकर रो रही है और बहिन मुस्कुराते हुए रील बना रही है। अब

बताएं कुछ कहना शेष रह गया है क्या? कुछ ऐसे ही नजारे हमें संसद और विधानसभाओं में भी खूब देखने को मिलते हैं। शूर्पणखा की हंसी का मामला हो या गले मिलकर मुस्कुराने का। हमारी विधायिकाओं और नगर पंचायतों के तो हाल ये है कि यह पता ही नहीं चलता कि हमारे जनप्रतिनिधि मुस्कुराते हुए कब अचानक दांचभींच कर लात-मुककों पर उतर आएँगे।

“जो तुम इतना मुस्कुरा रहे हो क्या ग्राम है जो छिपा रहे हो”
अब कहाँ ऐसे पाखंडी और कहाँ वे मुस्कुराते किरदार।

तो क्या हमें हंसना मुस्कुराना मना है? नहीं, लेकिन लगता है जैसे सलीके से हंसना-मुस्कुराना लुप्त हो गया है। हंसी को अच्छे स्वास्थ्य का उत्तम खजाना और चेहरे की मांसपेशियों का व्यायाम कहा जाता है। बाबा रामदेव तो अपनी योगिक क्रियाओं में हास्यसन को खूब धुना रहे हैं। लेकिन जैसे जबरन हंसना किसी को भी नहीं पचता वैसे ही असमय का हंसना या अकारण हंसना-मुस्कुराना भी बहुत बुरा लगता है। हमारे धर्म शास्त्रों और नीति शास्त्रों में लोक व्यवहार की दृष्टि से बहुत सी बातें सिखाई गई हैं। जिसमें यह भी बताया गया है कि मनुष्य को कब कहाँ कैसे कितना हंसना चाहिए स्त्री पुरुष और बालक-बालिकाओं को भी इस तरह की व्यापक शिक्षा दी गई है। आप हम सब को अपने स्कूल के दिन याद होंगे तब कोई बच्चा अकारण हंस पड़ता था तो उसे खूब डांट पड़ती थी। बच्चों के सलीके से हंसने-हंसाने की तहजीब सिखाई जाती थी।

लेकिन अब नीति शास्त्र की बात कौन सुनता है और समझता है जिसे देखो वह अपनी ही नीति और अपना ही शास्त्र तैयार कर रहा है। हंसने-हंसाने का दौर भले ही व्यापक बना गया हो, अंतर्कामी की दुनिया में हंसाने के नाम पर करोड़ों रूपए लुटे जा रहे हैं लेकिन समाज में कायदे से हंसने-हंसाने का दौर समाप्त हो गया है। हंसी का व्यापार और बाजार तो खूब सब जगह है लेकिन इसमें शामिल फूहड़ता, अश्लीलता और दोअर्थी

संवादों ने हमें सीधे अधोगति के दर्शन करा दिए हैं।

आज बॉलीवुड में भी बनावटी हंसी का दौरा खूब फल फूल रहा है। और इसके विपरीत हमारे लोक प्रशासक मानो हंसना ही भूल गए हैं। पता नहीं मसुरी की लाल बहादुर शास्त्री अकादमी में ऐसा कौन सा पाठ पढ़ाया जाता है जिससे वहाँ से निकलने वाली पूरी की पूरी जमात ही लोगों के साथ जब मिलती है तो मानो ऐसा लगता है कि वह जन्मजात हंसने से वंचित रहे लोग की जमात है। उनका चेहरा देखिए हट्टम उखड़ा हुआ गंभीर और अनावश्यक तनाव से भरा हुआ पायेंगे और सामने वाले पर पूरी तरह हावी होने के भाव के साथ व्यवहार करते हैं। मेरा मसुरी और उत्तराखंड से बहुतेनिकट का संबंध है मैंने देखा है कि यहां के लोग बहुत जीवंत हंसमुख और व्यवहार कुशल हैं इसलिए यह कहना तो उचित नहीं होगा कि मसुरी के पानी में कोई दोष है। लगता है मसुरी की ट्रेनिंग में जरूर कोई दोष है जो हमारे लोक प्रशासकों को गलत ढंग के दौक्षा दे रहा है। लोकतांत्रिक समाज में लोक प्रशासक का हंसमुख चेहरा अनेक समस्याओं का समाधान कर देता है शिकायत लेकर आने वाला आम आवाम जब प्रशासक से मिलता है और वह हंस कर मुस्कुरा कर उसका स्वागत कर देता है और दो मीठे बोले बोल देता है तो उससे आधी समस्याएँ तो वैसे ही समाप्त हो जाती हैं। हम सब जानते हैं कि हम लोग प्रायः जब बीमार होते हैं तो जिस डॉक्टर के पास परामर्श और चिकित्सा के लिए जाते हैं यदि उसके चेहरे पर मुस्कुराहट है और आत्मविश्वास से भरा हुआ चेहरा मरीज को थपथपाता है तो यकीन मानिए मरीज की आधी बीमारी तो अपने आप ही ठीक हो जाती है।

हमारे राजनेता इसके ठीक विपरीत है उन्हें बिचारों को यह पता ही नहीं है कि कहाँ हंसना है और कहाँ रौना है जहाँ जनता दुख दर्द से कराह रही होती है बाढ़ में डूब रही होती है या फिर कहीं आग लगी होती है वहाँ वे जब फेरा करने जाते हैं तब उनके चेहरा देखिए लगता

है जैसे किसी गुलशन में आ गए हों। अरे भाई आप किसी की गमी में आए हैं किसी वैवाहिक समारोह में नहीं इतना तो समझिए कि कहाँ मुस्कुराना है। हवाई दौरा करते हुए जो राजनेता अपने साथ लेकर गए बाढ़ में डूबे हैं क्षेत्र का अवलोकन कर रहे होते हैं तो साथ बैठें कैमरामैन को हिदायत देते हैं कि फोटो लेना और मजे की बात देखिए हमारे यहाँ फोटो का मतलब ही चेहरे पर मुस्कुराहट लाना है। यह तो समझिए कि आप बाढ़ में डूबे हुए लोगों के प्रति हमदर्दी दिखाने आए हैं न कि अपना फोटो खिंचवाने।

हाँ अभी तक सहज, सरल और मिलावट रहित हंसी अगर किसी जगह सुरक्षित है तो वह है हमारे देश के बच्चों का बचपन। बाल्यकाल में उनके चेहरे के मुस्कुराहट में किसी तरह की मिलावट नहीं है और न ही कोई दिखावटी बात। खिलखिलाती हंसी और चिड़िया जैसा कलर देखना सुनना हो तो वह हमारी किशोरियों के पास देखा जा सकता है। अट्टहास करते हुए ठहाके अगर आपको सुनने हों तो हमारे युवाओं के पास बैठ जाइए लेकिन यह सब इन्हीं समूह तक सीमित है। हाँ अगर आप कहीं साहित्यकारों के समूह के निकट से गुजरे और वहाँ आपको हंसी सुनाई दे तो गौर कीजिएगा वहाँ इयॉयों की लपटें और उपहास के भाव भी साथ ही फड़फड़ा रहे होंगे।

अगर आप कांग्रेस के कलर की बात करेंगे या फिर आधुनिक टेक्नोलॉजी से युक्त युवाओं के दफ्तरों में सैर करेंगे तो पाएंगे मानो आप यंत्रबद्ध लोगों के बीच आ गए हैं। हजारों लोग जिस दफ्तर में काम कर रहे हों वहाँ केवल सांस फिनी जा सकती है। न कोई किसी को देख रहा है, न कोई किसी से बात कर रहा है, और न कोई हंस रहा है न मुस्कुरा रहा है। यहाँ हंसी इतनी दुर्लभ है कि आपको अगर कोई चुटकुला याद आ जाए और आप लोगों के समूह में चिल्ला कर इसे सुना कर लौट आएँ तो भी आपको वहाँ से हंसी की एक भी कलर लौटकर सुनाई नहीं देगी। यंत्रबद्धता ने

हमारे जीते जागते युवाओं को रोबोट बना दिया है। उनकी भावनाएं उबलने लिए रीत गई हैं। और वे काम के दबाव में इस हद तक परेशान हो चुके हैं कि हम रोज ही कहीं न कहीं से उनकी आत्महत्याओं के समाचार सुनने के लिए विवश हैं। हमारे कारपोरेट दफ्तरों को इस दिशा में बहुत ध्यान देना चाहिए जो प्रोडक्टिव ऊर्जावान युवा टीम उनके साथ काम कर रही है उसे कैसे प्रशस्त रखा जाए और कब कैसे उनके साथ हंसी मजाक का वातावरण बनाकर काम को सरल और सुगम बनाया जाए यह तरीका निरंतर खोजते रहना चाहिए और प्रयोग में लाते रहना चाहिए।

दरअसल, स्वाभाविक हंसी को हमने खुद ही निर्झरित कर लिया है। सीमित हंसी हम अब यदा-कदा सोशल मीडिया पर हंसते हैं। कभी फेसबुक पर आए कमेंट पढ़कर कभी वॉट्सएप पर चुटकुला पढ़कर कभी ट्विटर पर किसी को ट्रोल् होते देखकर। सोशल मीडिया पर आने जाने वाली हंसी को बाहरी कोई व्यक्ति देखना तो हमें मिलावट के दृष्टिकोण से प्रम हो सकता है कि भाई इस आदमी का मानसिक स्वास्थ्य तो ठीक है या नहीं।

जैसे-जैसे आप समाज के उच्च तबके की ओर बढ़ेंगे लगता है जैसे हंसी उनके लिए बोझ बन गई है जीवन में हंसना और मुस्कुराना आवश्यक है लेकिन यह मुस्कुराहट अगर कोई फसाद पैदा कर दे और इतिहास में इस मुस्कुराहट को प्रौद्योगिकी मुस्कुराहट के नाम से जाना जाए तो आप समझ सकते हैं ऐसे मुस्कुराहट कितनी भयंकर होती है। हम तो आए दिन समाचार पढ़ते रहते हैं कि गंभीर, शहीदों में गलियों में बात बता पर व थोड़े से हंसी मजाक में कितने बड़े-बड़े फसाद हो जाते हैं। जो समाज सलीके से हंसना-मुस्कुराना भूल जाता है वह समाज केवल अपने जीवन को यंत्रबद्ध कर यंत्रणा झेलने के लिए विवश हो जाता है।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिंतक

भीलवाड़ा महोत्सव-2025 की रंगारंग शुरुआत, लोक संस्कृति के रंग बिखरे

शहनाई की गूंज से महोत्सव का हुआ शुभारंभ, जिलेवासियों में उत्साह और उमंग का माहौल

भीलवाड़ा, (निर्स)। भीलवाड़ा महोत्सव-2025 का शुभारंभ हो गया है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने शुक्रवार को चित्रकूट धाम से महोत्सव की शुरुआत की। इस अवसर पर जिलेवासियों में उत्साह और उमंग का माहौल दिखा। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेश सिंह यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा, अति. जिला कलेक्टर शहर प्रतिभा देवतिया सहित जिला स्तरीय अधिकारी, कार्यक्रम के नोडल और सहनोडल अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कलाकार, प्रतिभागी और आमजन मौजूद रहे।

महोत्सव में विभिन्न लोकनृत्यों ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उदयलोक कला केंद्र बागौर के कलाकारों ने राजस्थान का प्रसिद्ध लोकनृत्य कच्छी घोड़ी नृत्य किया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा, मधूर नृत्य और रिग नृत्य का भी प्रदर्शन किया गया। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित अधिकारियों ने चित्रकूट धाम में लगी विभिन्न स्टॉल्ल्स का अवलोकन किया।



महोत्सव के दौरान, जिले के विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

भू-ओलंपियाड-2025 की प्रवेश परीक्षा आज

परीक्षा में राजस्थान के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे, डूंगर महाविद्यालय में होगी परीक्षा

बोकाराने, (निर्स)। राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बोकाराने के भू-गर्भ विभाग में अंतर्राष्ट्रीय भू-विज्ञान ओलंपियाड-2025 के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा नौ फरवरी को आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा में राजस्थान के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। जिला आयोगीकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस परीक्षा के लिए डूंगर महाविद्यालय को अधिकृत परीक्षा केंद्र के रूप में चुना गया है। परीक्षा केंद्र के समन्वयक एवं भूगर्भ विभागाध्यक्ष प्रो. देवेश खंडेलवाल ने बताया कि यह परीक्षा कक्षा 8 वीं से 11 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाती है। परीक्षा के आधार पर पूरे भारत से 25 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जो तीन सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। इसके बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार छात्र भारत का प्रतिनिधित्व

करते हुए इंटरनेशनल अर्थ साइंस ओलंपियाड 2025 में शामिल होंगे। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. राजेन्द्र प्रोहित ने कहा कि यह परीक्षा भू-विज्ञान में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है। इस राष्ट्रीय परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 18 जनवरी थी और इसमें लड़कों के लिए 200, जबकि लड़कियों के लिए 100 रुपये प्रत्येक परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया था। परीक्षा का आयोजन सुबह दस बजे से डूंगर महाविद्यालय के भूगर्भ विभाग में किया जाएगा।

परीक्षा के आधार पर पूरे भारत से 25 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जो तीन सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे।

भीण्डर के कई रास्ते खस्ताहाल, घटिया निर्माण से कई जगह डामर उखड़ी

जलदाय विभाग ने डेढ़ वर्ष पहले खोदी सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की

भीण्डर, (निर्स)। भीण्डर में पेयजल सप्लाई के लिए डाली गई नई पाइप लाइनों के लिए कई जगह पर डेढ़ वर्ष पहले खोदी सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की गई है। वहीं जिन सड़कों पर मरम्मत की गई वहाँ की डामर दो-चार दिन बाद ही उखड़ गई। जलदाय विभाग के घटिया कार्य चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गत माह पालिका बोर्ड बैठक में भी पाषण्डों ने ये मुद्दा उठाया था, जिस पर वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता परशासन व कनिष्ठ अभियंता इम्तियाज हुसैन को निर्देश दिये थे, लेकिन बोर्ड बैठक को एक माह गुजर जाने के बाद भी विभाग के अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाया।

भीण्डर के वार्ड 6 में केशर रोड पर करीब डेढ़ वर्ष पहले अक्टूबर 2023 में पाइप लाइन के लिए सड़क के दोनों तरफ खुदाई की थी, उस समय ये सड़क भी नई बनाई हुई थी।

उदयलोक कला केंद्र बागौर के कलाकारों ने राजस्थान का प्रसिद्ध लोकनृत्य कच्छी घोड़ी नृत्य किया, जो आकर्षण का केंद्र रहा।

आनंद लेने का मौका देता है। यह महोत्सव हमें अपने समाज की विविधता और समृद्धि को देखने का अवसर प्रदान करता है।

इस महोत्सव के लिए जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियाँ की हैं। चित्रकूट धाम को सजाया गया है और विभिन्न स्टॉल्लस लगाई गई हैं। महोत्सव के दौरान, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिला कोषाधिकारी टीना रोताणिया, जिला उद्योग केंद्र से राहुल देवसिंह, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अरुणा गारू व योगेश पारीक, जिला रसद अधिकारी अमरेंद्र मिश्रा, जिला खेल अधिकारी सतेश अह्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद राने।

भीण्डर के कई रास्ते खस्ताहाल, घटिया निर्माण से कई जगह डामर उखड़ी

जलदाय विभाग ने डेढ़ वर्ष पहले खोदी सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की

भीण्डर, (निर्स)। भीण्डर में पेयजल सप्लाई के लिए डाली गई नई पाइप लाइनों के लिए कई जगह पर डेढ़ वर्ष पहले खोदी सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की गई है। वहीं जिन सड़कों पर मरम्मत की गई वहाँ की डामर दो-चार दिन बाद ही उखड़ गई। जलदाय विभाग के घटिया कार्य चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गत माह पालिका बोर्ड बैठक में भी पाषण्डों ने ये मुद्दा उठाया था, जिस पर वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता परशासन व कनिष्ठ अभियंता इम्तियाज हुसैन को निर्देश दिये थे, लेकिन बोर्ड बैठक को एक माह गुजर जाने के बाद भी विभाग के अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाया।

भीण्डर के वार्ड 6 में केशर रोड पर करीब डेढ़ वर्ष पहले अक्टूबर 2023 में पाइप लाइन के लिए सड़क के दोनों तरफ खुदाई की थी, उस समय ये सड़क भी नई बनाई हुई थी।

ध्यान नहीं दे रहा है। ओमप्रकाश भोंई, पाषण्ड नगर पालिका भीण्डर का कहना कि मेरे वार्ड में डेढ़ वर्ष पहले खोदी गई सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की गई है। जबकि इसको लेकर मैंने कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया। इनके द्वारा भी सुनने पर गत माह बोर्ड बैठक में भी मुद्दा उठाया था और विभाग ने अधिकारियों को निर्देश दिये, उसके बावजूद एक माह गुजर जाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। ठेकेदारों के आगे जलदाय विभाग के अधिकारियों की नहीं चला रही है इसलिए ही काम समय पर नहीं हो रहा है। परशासन, सहायक अभियंता जलदाय विभाग भीण्डर का कहना है कि भीण्डर के कुछ क्षेत्र में सड़क मरम्मत का कुछ बाकी है, इसके लिए ठेकेदार को निर्देश दे दिये हैं। इसके अलावा पाइप लाइन व अन्य मरम्मत व मिट्टी हटवाने का काम जल्द ही कर दिया जायेगा।